जोधपुर कुलपति डॉ. बनवारी लाल गौड़ का अभिनंदन

झुंझुनूं, 20 जनवरी। आयुर्वेद राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने आये जोधपुर कुलपति डॉ. बनवारी लाल गौड़ का ब्राहम्ण महासभा द्वारा शाल, श्रीफल भेंट एवं साफा पहनाकर नागरिक अभिनंदन किया गया। इसी दौरान राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के सेवानिवृत प्रो. एवं विभागा अध्यक्ष लोकनाथ शर्मा का भी स्वागत किया गया। ब्राहम्ण महासभा नगर अध्यक्ष उमाशंकर महमिया ने बताया कि अभिनंदन समारोह में डॉ. दयाशंकर बावलिया, एडवोकेट सुशील कुमार जोशी, रामगोपाल महमिया, चण्डीप्रसाद कौशिक, ठाकुर दास कटारा, रमेश शर्मा, ज्वालाप्रसाद शर्मा, अम्बिका पुरोहित, विनोद पुरोहित, रामचन्द्र शर्मा, पवन पाण्डे, डॉ. राजेश शर्मा, उमेश शर्मा सहित व्रिपबन्धु उपस्थित थे।

ट्रैफिक इंचार्ज ने बताये यातायात नियम

माई झु. 5 जनवरी। राजस्थान बालिका उ.मा.वि. मण्डावा रोड़ झुंझुनूं में आज सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर यातायात निरीक्षक झुंझुनूं के राजीव कुमार त्यागी व यातायात प्रभारी झुंझुनूं के विक्रम सिंह तंवर ने छात्राओं को यातायात नियमों सम्बंधी जानकारी दी।

यातायात नियमों सम्बंधी प्रचास सामग्री छात्राओं को वितरित की और यातायात प्रभारी विक्रम सिंह ने यातायात नियमों से सम्बंधी प्रश्न छात्राओं से पूछे। छात्राओं ने यातायात नियमों से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर देने में रूचि दिखायी और यातायात नियमों सम्बंधी जानकारी प्राप्त की। विद्यालय प्रधानाचार्य गुलाबचन्द जांगिड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर संस्था सचिव लालचन्द ढूकिया, विद्यालय निदेशिका खजानी ओला व समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित था।

शिक्षा से ही सर्वांगीण विकास सम्भव - डॉ. राजकुमार शर्मा

झुंझुनूं, 11 जनवरी : शिक्षा से ही मनुष्य सर्वांगीण विकास सम्भव है। शिक्षित व्यक्ति ही समाज को सही दिशा देता है। उक्त उदगार प्रौधोगिक एवं चिकत्सा मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा ने सामवार को भारतीय विद्या विहार एवं विद्यास्थली के वार्षिकोत्सव में कहे। डॉ. शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए मैं सदेव आपके साथ हूँ। उन्होंने जनता का आह्वान करते हुए कहा कि प्रौधोगिक एवं चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया मुकाम देंगें।

समारोह की अध्यक्षता पूर्व कूलपति राजस्थान विवि जयपुर के प्रो. के.एल. कमल ने की। जबकि समारोह के विशिष्ट अतिथि नगर परिषद की उपसभापति श्रीमती बिमला बेनीवाल,युवा विकास मंच के अध्यक्ष मनोज मील, अफिज जुम्मे खां जी, कैलाश चोटिया थे। विद्यालय निदेशक राकेश गुप्ता, श्रीराम सैनी, भवानी कुमावत, पुष्करदत्त शर्मा विद्यास्थली प्रधानाध्यापक किशोर कुमार, कार्यालय अधीक्षक बिहारीलाल सिसोदिया, कमलेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। तथा प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया। संस्था निदेशक श्रीराम सैनी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मीनाराम हीरक जयन्ती पर खेतड़ी में कवि सम्मेलन

माई झु. 2 जन। खेतड़ी से फौजी गये मीनाराम सैनी को सौ वर्ष पूर्ण होने पर उनके परिजनों द्वारा हीरक जयन्ती के आयोजन पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में नवलगढ के हरिष हिन्दुस्तानी, डॉ. कैलाश मंडेला, नन्दकिशोर अकेला, डॉ. वरूण चतुर्वेदी, डॉ. केशरदेव प्रजापति, हरिओम पारीक निर्दोष, कन्हैयालाल सुरोलिया, राधेश्याम भारती व कैलाश पारीक ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी बजरंगलाल शर्मा ने की।

अग्रसेन भवन में परिचय सम्मेलन सम्पन्न

माई झु. 3 जन। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को लगने वाला अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन अग्रसेन भवन में सुचारू रूप से सम्पन्न हुई। परिचय सम्मेलन के अध्यक्ष श्याम सुंदर पौद्दार की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यक्रम में तीन बायोडाटा पंजीकृत किये गये। सचिव बनवारीलाल पंसारी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर फूलचन्द अग्रवाल, ओमप्रकाश शाह, ओमप्रकाश टीबड़ा, अशोक तुलस्यान, नवरंगलाल राणासरिया, नन्दकिशोर अग्रवाल सहित अन्य अग्र बन्धु उपस्थित थे।

बगड़ में राज्यमंत्री गुढा का अभिनन्दन

माई झु. 3 जनवरी। बगड़ नागरिक अभिनन्दन समिति के तत्वाधान में रविवार को मुरलीधर ओझा की धर्मशाला में पर्यटन राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढा के कार्यक्रम की अध्यक्षता दादूद्वारा के महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुनदास महाराज ने की। विशिष्ट अतिथि कुआं पाबू धाम के पीठाधीश्वर मलसिंह महाराज थे। राजपूत नवयुवक मंडल के अध्यक्ष गोविन्दसिंह ने साफा पहनाकर व अजयसिंह शेखावत, श्यामसिंह राठौड़, महेशसिंह शेखावत,सुरेन्द्रसिंह राठौड़, एडवोकेट बिरजूसिंह सहित अनेक गणमान्य लोगों ने राज्य मंत्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया। मास्टर श्याम सिंह राठौड़ ने संचालन किया। इस अवसर पर गांव के अनेकोजन उपस्थित थे।

सेठ मोतीलाल में सीपीटी के सफल विद्यार्थियों का सम्मान

झुंझुनूं, 19 जनवरी। सेठ मोतीलाल पीजी महाविद्यालय में मंगलवार को समारोहपूर्वक प्राचार्य डॉ. वीके शर्मा की अध्यक्षता में सीपीटी परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

कॉलेज के 25 विद्यार्थी सीपीटी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए है। कार्यक्रम में संस्था सचिव जीएल शर्मा ने इसे महाविद्यालय की बड़ी उपलब्धियों में एक बताया। सीपीटी संयोजक डॉ. आरडी सैनी ने बताया कि महाविद्यालय में सीपीटी कक्षाओं का प्रथम बैंच इसी सत्र में प्रारम्भ किया।

कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ. आरके कटेवा, एनके शर्मा, डॉ. अतुल गर्ग, प्रो. एसके शर्मा, डॉ. ओपी शर्मा, डॉ. वीएस तंवर आदि उपस्थित थे। डॉ. सैनी ने बताया कि सफल विद्यार्थियो में कविता केडिया, मिनाक्षी गुप्ता, राकेश गोयनका, भवानी सिंह सैनी, लोकेश शर्मा, जावेद खान, पूजा तुलस्यान, दीपिका टीबड़ा, दिनेश कुमार, सुप्रिया बाक्यान, निश्चिल, जयप्रकाश शर्मा, प्रियंका सिंघानिया, अमित गोयनका, रविकांत बंका, नितेश केजड़ीवाल, उत्तम, मयंक नांगलिया, मनीष सोनी, सुनिल सैनी, कमलकांत केडिया, रवि शर्मा, अमित टीबड़ेवाल, पायल टीबड़ा, मनीष शर्मा आदि शामिल हैं।

जगह-जगह हुआ मंत्री डॉ. शर्मा का स्वागत

झुंझुनूं, 11 जनवरी : प्रौद्योगिक एवं चिकित्सा राज्यंमंत्री डॉ. शर्मा का झुंझुनूं में जगह-जगह स्वागत किया गया। जयपुर रोड़ स्थित नीलकंठ टी.टी. कॉलेज से भारतीय विद्या विहार एवं विद्यास्थली के वार्षिकोत्सव तक 111 स्वागत द्वार लगाये गये। डॉ. शर्मा को दर्जनों स्थानों पर मिठाईयां व फलों से तौला गया। पूरे झुंझुनूं शहर को तौरण द्वारों से सजाया गया एवं जय जयकार के साथ भव्य स्वागत किया गया।

झुंझुनूं में पहली बार हुए इस भव्य स्वागत से गदगद हुए। भारतीय विद्या विहार एवं भारतीय विद्या स्थली के वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने एक से बढकर एक रंगारंग प्रस्तुति दी। छात्रा समीरा एवं कन्नू बोयल ने डॉ. राजकुमार शर्मा तिलकार्जन कर स्वगत किया। सुमन शुभा, विनिता, पूजा अनिता, भाविका, अंकिता, मनीषा कल्पना ने स्वागत गायन दिव्य ने गणेश वंदना, अनिता पिंकी ने राधे कैसे नाच ले पूजा ने ढोला थारौ ढौल बाजे, अनिता ने हुल्ले हुल्लारै रे, म्हारो छैल भंवर रो कांगसियों विनिता, बंटी व गानों पर बच्चों ने एक से बढकर एक प्रस्तुति दी।

राजनीति व सत्ता में हमारा प्रतिनिधित्व नगण्य क्यों?-डॉ. बी एल टेकड़ीवाल

माई झु.न्यूज। वैश्य समाज राष्ट्र का महत्वपूर्ण अंग है जिसने स्वतंत्रता संग्राम तथा तत्पश्चात राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। आज भी 25 करोड़ वैश्य राष्ट्र निर्माण की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान कर रहे हैं। देश के उद्योग व व्यापार में इसी समुदाय का योगदान आधा है तथा परोपकारी व जन मंगल की योजनाओं में यह योगदान इससे भी ज्यादा है। लेकिन गवरनेन्स में इस समाज का योगदान नगण्य के बराबर है। 12वीं, 13वीं व वर्तमान लोकसभा के सदस्यों की सूची पर नजर डाले तो पायेंगे कि जहां कृषकारों की भागीदारी तकरीबन पचास, छियालीस व पैंतालीस प्रतिशत है। हमारी भागीदारी नगण्य है। राजनीनिज्ञों व समाज सेवकों की संख्या जहां 14 प्रतिशत, 20 प्रतिशत व 33 प्रतिशत है वहीं वकीलों का प्रतिनिधित्व 10, 12 व 14 प्रतिशत है। बाकी सभी वर्गों का- डॉक्टर, अर्थशास्त्री, पत्रकार, न्यायाधीश, ट्रेड यूनियन, खिलाड़ी, कलाकार, इंजीनियर प्रतिनिधित्व है वहीं उद्योग व व्यापार से जुड़े हमारे समाज का प्रतिनिधित्व की नगण्य क्यों है। यह एक सोच का विषय है।

इस विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन कर आगे की रूपरेखा निर्धारित की जानी चाहिए। उपर उपर से देखने से लगता है कि इसका मुख्य कारण है हम लोगों में पब्लिक स्पीकिंग टेलेन्ट की कमी या यो कहें स्टेज फ्राइट- स्टेज पर बोलने से कतराना जिसके कारण हम अपने विचार प्रभावी ढंग से व्यक्त नहीं कर सकते। अत: जगह जगह पर पब्लिक स्पीकिंग की क्लासेज लगायी जाये और भावी नेता, कार्यकर्ता तैयार किये जाने चाहिए ताकि सार्वजनिक जीवन में हमारे भाई बहिन भाग ले सके।

बहिनो की सहभागिता भी बढाने पर जोर देना चाहिए और उनको भी सार्वजनिक जीवन में लाना चाहिए। वैश्य समाज को संयुक्त रूप से लोकसभा व विधानसभा आदि में अपने सदस्यों को चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी खड़े करने चाहिए ताकि हमारी आवाज, हमारी समस्याओं को प्रभावी ढंग से लोकसभी में बुलन्द कर सकें। कम्युनिकेशन स्किल का विकास करके अच्छे वक्ता बनाने चाहिए जो देश को सुदृढ, स्वच्छ व प्रभावी नेतृत्व दे सके। लोकसभा में हमारा प्रतिनिधित्व प्रभावी ढंग से हो और राजनीति व सत्ता में भी हमारा प्रतिनिधित्व दर्ज हो।

स्काउट गाइड में लगा पर्यावरण मेला

माई झु.न्यूज। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के तत्वाधान में स्कूलों में संचालित नेशनल ग्रीनकोर इको क्लब की और से स्काउट गाइड मुख्यालय पर दो दिवसीय पर्यावरण मेला सोमवार को शुरू हुआ। मेले का उद्घाटन संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि वन विभाग के डीएफओ दयासिंह दूलड़ व अध्यक्ष डीईओ बीरबलसिंह सामोता ने किया। डीईओ ने पर्यावरण घटकों के बारे में बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को एकजुट होना होगा।

विशिष्ट अतिथि राजेश अग्रवाल व जेबीशाह गर्ल्स कॉलेज की व्याख्याता कमलेश माथुर, मोहनलाल रावत मणकसास थे। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गयी जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण के मॉडल, गतिविधियों के चित्र, पोस्टर आदि कीप्रदर्शनी की सराहना की। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया गया। सीओ स्काउट मान महेन्द्रसिंह भाटी ने कार्यक्रम की जानकारी दी और अतिथियों का आभार जताया। निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता भी हुई। संचालन हजारीलाल बुडानियां ने किया।

नववर्ष की शुरूआत कमल हाईट्स द्वारा कवि सम्मेलन से

फोटो : रामनिवास सोनी

झुंझुनूं, 2 जनवरी: नव वर्ष के उपलक्ष में कमल हाईटस हाऊसिंग सोसायटी द्वारा नववर्ष के प्रथम दिन 1 जनवरी को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आगाज करते हुए कवि डॉ. कैश मण्ड्रेला ने सरस्वती वंदना की। इसी कड़ी में कवि सम्मेलन को परवान चढाते हुए नवलगढ से आये हरीश हिन्दुस्तानी ने जोरदार संचालन करते हुए श्रोताओं को कार्यक्रम के बीच-बीच में चुटकुले व हास्य से भरपूर किस्से सुनाकर हंसी के ठहाके लगवाए। तो मध्य प्रदो से आये कवि नन्द किशोर अकेला ने भी हास्य की फूलझड़ियों पर तालियां बटोरी। इसी प्रकार भिवानी हरियाणा से आई कवियत्री रितिका तरन्नूम ने अंधेरों में सितारासा हो जाऊंगा तथा मैं तेरे इश्क में पागल पागल सी फिरती हूं जब से तुम चले गए घायल सी फिरती हूँ तथा कैसे चलते हैं कहां जाते हैं पल में रिश्ते बदल जाते हैं आदि कविताएं प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन में लाडनूं से आये केसर देव प्रजापत ने व्यंग करते हुए कुत्तों की कविताएं सुनाई तथा यातायात पुलिस पर कटाक्ष करते हुए व्यंग किया तथा एक और कविता मोट्यारा निची मुछ करो आयो राज लुगाया को व घर घर में बड़गी राजनीति कविता से दर्शकों को खुब हंसाया। भीलवाड़ा के कवि डॉ. कैलाश मण्ड्रेला ने 'मैं जमानत के कागजाद लेके आया हूँ मैं भी खामोशियों की कैद का सताया हूं खोलिये आप अपने हाथों की हथकड़ियां गीतों की तालियां में साथ लाया हूँ, आदि कविताएं प्रस्तुत की इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डॉ. वी.के. शर्मा, एस.एम.एल. कॉलेज प्राचार्य दीलिप मोदी, सत्यनारायण हलवाई, बंशीधर रिंगसिया व नगर परिषद आयुक्त श्रवण कुमार उपस्थित थे। पूर्व में समिति की और से कवियों का स्वागत संरक्षक कमल अग्रवाल, चिरंजीलाल जांगिड़, अध्यक्ष अनिलकांत शर्मा, विजय महर्षि, मुकेश मोदी, देवकरण सिंह, सुशील शर्मा, विमल सिंह शेखावत, श्रीमती शिल्पी माथुर तथा श्रीमती सरोज तुलस्यान ने कवियों का माल्यार्पण व शॉल ओढाकर स्वागत किया इस अवसर पर रविन्द्र कटेवा, सत्यदेव दड़िया, अरविन्द मल्हान, प्रो. नरेश शर्मा, सम्पत चुड़ेलेवाला, सुरेन्द्र अग्रवाल, प्रदीप पाटोदिया, महेश जीनगर सहित गणमान्य लोग थे।

विशेष महत्व है हरिद्वार में आयोजित महाकुंभ का

माई झुं.न्यूज। नयी शताब्दी का पहला कुंभ देव नगरी के रूप में विख्यात हरिद्वार में आयोजित किया जा रहा है। लगभग चार माह चलने वाले इस मेले में देश-विदेश से लाखों लोग भाग लेंगे। वेदों में उल्लिखित परंपरा के मुताबिक महाकुंभ मेला बारी-बारी से प्रयाग इलाहाबाद, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में आयोजित किया जाता है। हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा के तट पर आयोजित किये जा रहे इस महाकुंभ का विशेष महत्व है क्योंकि यह नगरी भगवान शंकर के निवास कैलाश पर्वत की प्रवेश द्वार है।

महाकुंभ का आयोजन केवल चार जगहों पर किए जाने के कारण का उल्लेख वेदों में किया गया है। इसके मुताबिक, समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश को जब भगवान विष्णु के वाहन गरुड पर रखकर राक्षसों से बचाने के लिए किसी सुरक्षित स्थान पर ले जाया जा रहा था तो चार जगहों- इलाहाबाद, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में अमृत की बूंदें टपक गई थीं। इसी अमृत का लाभ उठाने के लिए इन स्थलों पर महाकुंभ का आयोजन किया जाता है जिसमें लाखों करोड़ों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस बार पहला स्नान १४ जनवरी को और अंतिम २८ अप्रैल को पड रहा है। स्नान पर्व की तिथियां इस प्रकार हैं।

कुम्भ मेला २०१० स्नान पर्व

१४ जनवरी- गुरुवार- मकर संक्रांति, १५ जनवरी- शुक्रवार- मौनी अमावस्या, सूर्यग्रहण स्नान, २० जनवरी- बुधवार- वसंत पंचमी, ३० जनवरी- शनिवार- माघ पूर्णिमा, १२ फरवरी- शुक्रवार- श्रीमहाशिवरात्रि स्नान, शाही स्नान, १५ मार्च- सोमवार- सोमवती अमावस्या, शाही स्नान, १६ मार्च- मंगलवार- नवसंवतारंभ स्नान, २४ मार्च- बुधवार- श्रीराम नवमी स्नान, ३० मार्च- मंगलवार- चैत्र पूर्णिमा स्नान, वैष्णव अखाड़े स्नान, १४ अप्रैल- बुधवार- मेष संक्रांति-शाही स्नान- मुख्य स्नान पर्व, २८ अप्रैल- बुधवार- वैशाख अधिमास पूर्णिमा स्नान

कम्बल वितरित किये

माई झु. 3 जन। मदनलाल पाटोदिया एवं देवकी देवी पाटोदिया की स्मृति में जांगिड़ अस्पताल में लायन्य क्लब नवलगढ की और से जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किये गये। कैलाश चौटिया के मुख्य आतिथ्य एवं क्लब अध्यक्ष डॉ.दयाशंकर जांगीड़ की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में विशिष्ट अतिथि सुभाष जैन थे। इस अवसर पर एकसौ एक असहाय जरूरमंदों को दी गयी।

उपभोक्ता समिति के नगर अध्यक्ष बने महमिया

माई झु.न्यूज। जिला उपभोक्ता समिति के जिलाध्यक्ष प्रभुशरण तिवाड़ी ने झुंझुनूं नगर ईकाई अध्यक्ष पर उमाशंकर महमियां को मनोनीत किया है। जागृति के कार्यक्रम कराने के निर्देश दिए हैं। महमियां के मनोनयन पर समिति के पवन पुजारी, ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ. दयाशंकर बावलिया, पर्यावरण सुधार समिति के राजेश अग्रवाल, प्राचार्य मोहन सिंह शेखावत, एडवोकेट सुशील जोशी, रामगोपाल महमिया,पवन पांडे, संजय पारीक आदि ने प्रसन्नता जताई है।

प्राकृतिक धरोहर समय

माई झु.न्यूज। समय अनमोल और नित्य है। व्यक्ति समय के बंधन में होता है।पदार्थों और जीवन का निर्माण अतयव है। सभी प्राणी के लिए समान है।जीवन का प्रत्येक क्षण अंतिम क्षण है यह किसी को दिखाई नहीं देता। गति के इस समय अनवरत क्रम में प्राणी की आयु का प्रतिफल क्षरण होता रहता है। वर्तमान परिस्थियां और वातावरण भी बदलते रहते हैं। साथ ही अनेक नये व्यक्तियों से परिचय होता है और अनेक पुराने व्यक्ति भी विस्मृति के दायरे में सिकुड़ जाते हैं। अपनी मधुर स्मृतियां छोड़ जाते हैं। वे एकाकी क्षणों में प्रसन्नचित रखती हैं और कठिनाइयों में संघर्ष के लिए उर्जा प्रदान करती हैं। बीते हुए कल को आज नहीं कहा जा सकता और आज को आने वाला कल-भविष्य नहीं कहा जा सकता। अतीतकाल के सबक सीखकर वर्तमान को सुधारा जा सकता है। भविष्य काल को नये सिरे से संवारा जा सकता है। काल सभी के जीवन की अवधि को सिद्ध करता है जिसका प्रमाण सन संवत है। भविष्यकाल वर्तमान काल की परछाई है क्योकि आज बीज बोयेंगे तो भविष्य में फल खाने को मिल सकेंगे। काल ही सभी को कर्मों का फल देता है। अत: अनावश्यक भोग भोगने में समय नष्ट न करें। व्यर्थ न गवां देना, जीवन की ये घड़ियां, अनमोल रतन हैं ये श्वांसों की लड़ियां।

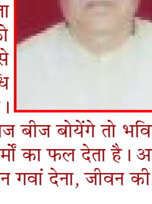

गया हुआ समय वापस नहीं आता निरंतर गुजरता रहता है।

नन्दलाल तुलस्यान मुम्बई प्रवासी